स्वतंत्रता दिवस पर

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डॉ. हेमंत शरद पांडे

का

संदेश

15 अगस्त, 2026

WESTERN COALFIELDS LIMITED
A Miniratna Company

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
नागपुर

स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का संदेश

मेरे साथी निदेशकगण, सीवीओ WCL, संचालन समिति एवं कल्याण मंडल के सदस्यगण, समस्त विभागाध्यक्ष, WCL के अंशधारक, टीम WCL के सभी साथी, आदरणीय महिलाएं, सज्जनवृंद और प्यारे बच्चों!

80 वें स्वतंत्रता दिवस की, आप सब को, हार्दिक शुभकामनाएँ। ये उनासी वर्ष–संघर्ष के, कठोर परिश्रम के, चुनौतियों से जूझने के, आत्मविश्वास के, आत्मनिर्भरता के और असंभव प्रतीत होने वाले कई लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने के। ये 79 वर्ष भारत की अदम्य इच्छाशक्ति, सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रगति की गौरवगाथा हैं। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर हम उन सभी वीर स्वतंत्रता सेनानियों को दिल की गहराइयों से याद करते है, जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी और जिनकी बदौलत हमें एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था विरासत में मिली।

राष्ट्र निर्माण की यात्रा में डब्लूसीएल की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में डब्लूसीएल ने निरंतर सार्थक योगदान दिया है। मुझे आपसे साझा करते हुए हर्ष हो रहा है कि हमने इस वित्तीय वर्ष में 10.08.2026 तक 20.596 MT कोयला उत्पादन किया है। इसी अवधि में हमने 127.252 मिलियन क्यूबिक मीटर्स ओबी निष्कासन किया है, जो गत वर्ष की तुलना में 20.5% अधिक है। इसी अवधि में हमने 25.018 MT कोयला डिस्पैच किया है। यह गत वर्ष की तुलना में 8.3% अधिक है। अब यहाँ से हमारा संकल्प दृढ़ और परिश्रम अविराम होना चाहिए। लक्ष्य पर पूर्ण एकाग्रता, अटूट टीम भावना और निरंतर प्रयासों के बल पर हमें अपने वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त करना है, और हम कर लेंगे, मुझे विश्वास है।

हमारे अब तक के कुल उत्पादन में वणी क्षेत्र का 5.525 MT, नागपुर क्षेत्र का 3.759 MT एवं बल्लारपुर क्षेत्र का 3.028 MT का महत्वपूर्ण योगदान है। गत वर्ष की तुलना में जिन क्षेत्रों ने कोयला उत्पादन में वृद्धि हासिल की है, उनमें पेंच क्षेत्र की 51.6%, पाथाखेड़ा क्षेत्र की 31.6% और माजरी क्षेत्र की 14.1% वृद्धि उल्लेखनीय है। कोयला उत्पादन में 10 में से 7 क्षेत्र गत वर्ष की तुलना में पॉजिटिव ग्रोथ कर रहे हैं। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक उत्साहजनक संकेत है।

इसी प्रकार, ओबी रिमूवल में बल्लारपुर क्षेत्र ने 28.662 Million Cubic Meters, माजरी क्षेत्र ने 25.450 Million Cubic Meters तथा वणी क्षेत्र ने 25.243 Million Cubic Meters का महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ओबी रिमूवल में भी 8 में से 5 क्षेत्र गत वर्ष की तुलना में पॉजिटिव ग्रोथ कर रहे हैं। सर्वाधिक ग्रोथ की बात करें तो माजरी क्षेत्र ने 72.2%, चंद्रपुर क्षेत्र ने 46.1% एवं बल्लारपुर क्षेत्र ने 33.6% की पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है।

कोयला प्रेषण में वणी क्षेत्र का 5.607 MT, नागपुर क्षेत्र का 4.308MT एवं बल्लारपुर क्षेत्र का 4.22 MT का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। कोयला प्रेषण में 10 में से 8 क्षेत्र गत वर्ष की तुलना में पॉजिटिव ग्रोथ कर रहे हैं। इनमें पाथाखेड़ा क्षेत्र ने गत वर्ष की तुलना में सर्वाधिक 48.7% की वृद्धि हासिल की है।

अगर हम केवल जुलाई माह के आंकड़े देखें, तो यह हमारे लिए विशेष रूप से गर्व और संतोष का विषय है कि इस माह का कोयला उत्पादन, प्रेषण और ओबी रिमूवल – तीनों ही पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक रहे हैं। यह उपलब्धि हमारी सामूहिक मेहनत, प्रतिबद्धता और टीम भावना का परिणाम है। आवश्यक है कि हम इसी गति और उत्साह को आगे भी बनाए रखें तथा आने वाले महीनों में अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए निर्धारित वार्षिक लक्ष्य को हासिल कर सके।

कोयला खनन में सुरक्षा सर्वोपरि है। वही कार्य सफल है जो सुरक्षा के साथ किया जाए। AI आधारित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) के माध्यम से हमारी खदानों में चौबीसों घंटे सुरक्षा एवं पर्यावरणीय विसंगतियों की डिजिटल निगरानी की जा रही है। इस व्यवस्था ने हजारों संभावित जोखिमों को समय रहते पहचान कर उन्हें दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हमने सुरक्षा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए Safety Management Portal विकसित किया है। इसके माध्यम से सुरक्षा अनुपालन, प्रशिक्षण और निरीक्षण की वास्तविक समय में निगरानी संभव हो रही है। खदानों में स्थापित किए जा रहे इंटरैक्टिव सेफ्टी कियोस्क कर्मचारियों तक सुरक्षा संबंधी जानकारी को सरल और त्वरित रूप से पहुँचाएंगे। वहीं ड्रोन तकनीक के व्यापक उपयोग ने ओवरबर्डन डंप, हाईवॉल तथा हॉल रोड की निगरानी को अधिक वैज्ञानिक और विश्वसनीय बनाया है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए कोयला मंत्रालय की स्टार रेटिंग मूल्यांकन में वेकोलि ने, भारत की सभी कोयला कंपनियों में सर्वाधिक, 7 खदानों के लिए प्रतिष्ठित 5–स्टार रेटिंग प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि हमारी सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं पर्यावरण–अनुकूल खनन प्रणाली की राष्ट्रीय स्तर पर हुई स्वीकृति है। संतोष का विषय यह भी है कि हमारी 25 खदानों को 4–स्टार तथा 15 खदानों को 3–स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आंकड़े और बढ़ेंगे।

सुरक्षित खनन के साथ–साथ एक सक्षम, प्रशिक्षित एवं सदैव तैयार रेस्क्यू व्यवस्था भी हमारी प्राथमिकताओं में है। मुझे आपसे साझा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि कोल इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए वेकोलि की रेस्क्यू टीम ने जाम्बिया में आयोजित 14वीं अंतरराष्ट्रीय माइंस रेस्क्यू प्रतियोगिता में विश्व विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। साथ ही, हमारी टीम के एक सदस्य को 'बेस्ट टेक्नीशियन अवार्ड' से सम्मानित किया जाना भी हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

हमारे रेस्क्यू कर्मियों ने वास्तविक आपदाओं में भी अपने साहस और दक्षता का परिचय दिया है। सिक्किम में एनएचपीसी की सुरंग दुर्घटना के दौरान वेकोलि की टीम ने लगातार 72 घंटे तक अत्यंत कठिन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव अभियान चलाकर अद्वितीय सेवा भावना का परिचय दिया। इसी प्रकार, बेलगांव भूमिगत खदान में हमारी रेस्क्यू टीम के अथक परिश्रम से खदान के 74 कोयला पिलर्स को बचाया गया।

उत्पादकता में वृद्धि के लिए समयानुसार तकनीकी उन्नयन आवश्यक हैं। ब्लास्ट फ्री खनन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, वर्तमान में, वेकोलि में 08 सरफेस माइनर एवं 04 कन्टिन्यूअस माइनर कार्यरत है। आगे योजनाबद्ध अंतराल में 26 कन्टिन्यूअस माइनर लगाने की योजना है। हर्ष का विषय है कि मार्च 2026 से डब्ल्यूसीएल की सर्वोच्च 9.0MTPA क्षमता वाली अमलगमेटेड गौरी पौनी एक्सपेंशन ओपनकास्ट प्रोजेक्ट से उत्पादन शुरू हो गया है। इससे हमारी विकास योजनाओं को और गति मिली है।

भूमिगत खनन में वेकोलि ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 10 अगस्त, 2026 तक भूमिगत खदानों से 9.42 लाख टन कोयला उत्पादन हुआ है, यह गत वर्ष की समान अवधि के उत्पादन की तुलना में 13.9% अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान तीन Continuous Miners का भूमिगत खदान से उत्पादन में कुल 21.9% का योगदान रहा। इस वर्ष एक अतिरिक्त Continuous Miner सावनेर–I UG में शुरू किया गया है तथा जल्द ही सावनेर -I एवं धन्कासा UG में दो और Continuous Miner कमीशन किए जाएंगे।

वर्तमान में वेकोलि की Departmental Capacity Utilization 45.26% है। इसे बेहतर करने हेतु दैनिक समीक्षा, क्षेत्रवार बाधाओं का समयबद्ध निराकरण तथा विभागीय कार्यक्षेत्र एवं HEMM के समुचित उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि दक्षता बढ़े और उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके।

पर्यावरण संरक्षण के साथ ही कोयला प्रेषण की प्रक्रिया में गति लाने का हमारा प्रयास है। उमरेड क्षेत्र के मकरधोकड़ा -III में FMC प्रोजेक्ट operationalise हो गया है। वणी क्षेत्र की मुंगोली खदान तथा बल्लारपुर क्षेत्र की सास्ती खदान में भी फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट का कार्य प्रगति पर है। इन परियोजनाओं से कार्य में निश्चित ही दक्षता बढ़ेगी।

Critical Minerals/Rare Earth Minerals के क्षेत्र में भी हम आगे बढ़ रहे है। 06 ओपनकास्ट खदानों में प्रारंभिक Elemental Analysis सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है और इसके उत्साहवर्धक परिणामों के आधार पर 06 अन्य खदानों में भी यह कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसमें से भानेगांव खुली खदान में सैंपलिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है।

कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा यह वर्ष 'Year of Reform & Transform' घोषित किया गया है। इसी तारतम्य में वेकोलि में हम अपने प्रणालियों के व्यापक Digitalisation को निरंतर बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में हमने अब तक 15 प्रमुख डिजिटल इनिशिएटिव शुरू किए हैं। इनमें स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 'SWASTH' और 'DMS', विभागीय चयन के लिए 'संवर्धन पथ', स्थानांतरण के लिए 'ई–स्थानांतरण', आगंतुक प्रबंधन के लिए 'SWAGAT' ऊर्जा प्रबंधन के लिए 'Energy Management Portal' राजभाषा अनुपालन के लिए 'Rajbhasha Portal', कानूनी मामलों की निगरानी के लिए 'Vidhi Shakti', अप्रेंटिसशिप प्रक्रिया के लिए 'Apprenticeship Portal' तथा उपभोक्ताओं को सम्प्लिंग पॉइंट का CCTV प्राप्त करवाने के लिए 'पारदर्शी पोर्टल' शामिल हैं।

इसके साथ ही हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट, बायोमेट्रिक अटेंडेंस तथा ICCC एवं खदानों के बिच तुरंत और सुचारू संवाद हेतु IP-based Two - Way Communication System जैसी पहलें भी कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बना रही हैं।

यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि वेकोलि की डिजिटल पहल 'SWASTH' को कोल इंडिया स्तर पर अपनाते हुए, CIL मुख्यालय सहित सभी अनुषंगी कंपनियों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है। हाल ही में कोलकाता में कोयला मंत्रालय के सचिव, श्री विक्रम देव दत्त की अध्यक्षता में कोल इंडिया द्वारा किए जा रहे विभिन्न सुधारों की प्रगति के विषय पर आयोजित बैठक के दौरान डिजिटल पहल 'SWASTH' का सीआयएल स्तर पर औपचारिक शुभारंभ किया गया।

तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में वेकोलि ने, सीआयएल में पहली बार, IIoT 4.0 आधारित Remote Pump Monitoring System जैसी पहल के माध्यम से नई दिशा में कदम बढ़ाया है। AI- Based Automated Haul Road Crossing System का कार्य अभी प्रगति पर है। इन पहलों का उद्देश्य पारदर्शिता, दक्षता, सुरक्षा, त्वरित निर्णय–प्रक्रिया तथा बेहतर सेवा वितरण को हमारी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना है। मुझे विश्वास है कि यह डिजिटल परिवर्तन वेकोलि को भविष्य की एक स्मार्ट, सुरक्षित और तकनीकी–सक्षम कंपनी के रूप में स्थापित करेगा।

वेकोलि हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में हमने निर्धारित 35 के लक्ष्य के मुकाबले 50 इलेक्ट्रिक वाहनों को वेकोलि में शामिल किया है। इसी प्रकार, वित्तीय वर्ष 2026–27 में अब तक निर्धारित 25 के लक्ष्य के मुकाबले 28 इलेक्ट्रिक वाहन शामिल किए जा चुके हैं। अब वेकोलि में कुल इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 167 है। वेकोलि में पहला EV Fast Charger वेकोलि मुख्यालय में स्थापित किया गया है तथा सभी क्षेत्रों के लिए 17 अतिरिक्त फास्ट चार्जर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनकी स्थापना एवं कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है।

भारत सरकार के Net Zero Carbon Emission के विजन के अनुरूप, वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2029–30 तक नेट जीरो कंपनी बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। विभिन्न प्रशासनिक भवनों पर 5.039 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए गए है, जबकि कुल 113 मेगावाट क्षमता की ग्राउंड–माउंटेड सोलर परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर हैं। इन्हें वित्तीय वर्ष 2026–27 में ही कमीशन किया जाना प्रस्तावित है।

पेंच क्षेत्र के शिवपुरी ओपनकास्ट खदान में 1 मेगावाट पंप्ड स्टोरेज हाइड्रोपावर परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसमें खदान के संप को लोअर रिजर्वायर और माइन डंप को अपर रिजर्वायर के रूप में उपयोग करने की परिकल्पना है। यह पहल खनन उपरांत भूमि के अभिनव उपयोग, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा भंडारण–तीनों को एक साथ जोड़ते हुए सतत् खनन के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल है।

पर्यावरण संरक्षण वेकोलि की प्राथमिकता रही है। स्थाई विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए, वर्ष 2026–27 में, अब तक, हमने 140 हेक्टेयर भूमि पर 4.63 लाख पौधों का रोपण किया है। खनन क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उददेश्य से नागपुर क्षेत्र में महात्मा गांधी माइन इको–पार्क, चंद्रपुर क्षेत्र में नीम वाटिका तथा पेंच क्षेत्र में बाल गंगाधर तिलक इको–पार्क विकसित किए गए हैं। इसके साथ ही वणी क्षेत्र के तडाली एवं पेंच क्षेत्र के परासिया में नए इको–पार्क निर्माण का कार्य प्रगति पर हैं। सावनेर इको–पार्क के उन्नयन की भी योजना है।

पर्यावरणीय स्वीकृतियों के क्षेत्र में भी इस वित्तीय वर्ष वेकोलि ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। मुंगोली–निरगुडा OC की क्षमता 5.25 से बढ़ाकर 6.125 MTPA तथा निलजई OC की क्षमता 4.5 से बढ़ाकर 4.9 MTPA करने हेतु Expansion EC प्राप्त हुई है। इसके अलावा, Amalgamated Yekona -I & II OC Mine, Mungoli Nirguda OC, Niljai Expansion OC, एवं Gouri Deep OC के संबंध में विभिन्न EC Amendments प्राप्त हुए है, जो हमारे वार्षिक लक्ष्य पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में, वेकोलि ने 207.76 हेक्टेयर वन भूमि से जुड़ी 7 स्टेज–II फॉरेस्ट्री क्लीयरेंस हासिल की। यह वेकोलि की स्थापना से किसी भी एक वित्तीय वर्ष में प्राप्त स्टेज–II फॉरेस्ट्री क्लीयरेंस में सर्वाधिक है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में अब तक वेकोली ने 280.983 हेक्टेयर वन भूमि से जुडी 2 परियोजनाओं – माओरी एवं तवा – III, के लिए स्टेज II फॉरेस्ट्री क्लीयरेंस प्राप्त किया है।

वेकोलि सतत् विकास, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और व्यवसाय विविधीकरण की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी सोच के अनुरूप हमने परित्यक्त एवं पुनर्वासित खनन भूमि को आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से उपयोगी बनाने की दिशा में वाणिज्यिक बांस रोपण की एक अभिनव पहल प्रारंभ की है। वेकोलि ने अब तक एकीकृत इंदर–कामठी, माकड़धोकड़ा–III, सास्ती खुली खदान एवं धुपतला खुली खदान के कुल 121 हेक्टेयर भूमि पर वाणिज्यिक बांस रोपण हेतु एमओयू किया है। इन एमओयू के अंतर्गत 99,100 पौधे लगाए जाएंगे तथा इस परियोजना से वेकोलि को 15 वर्षों में कुल 44.2 करोड़ रूपए का लाभ होगा।

वेकोलि ने 'कोल नीर' के रूप में कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में पहली बार पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर व्यवसाय की अभिनव पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत वर्तमान कोल नीर प्लांट के अलावा, पाटणसावंगी, नागपुर क्षेत्र तथा DRC, चंद्रपुर क्षेत्र में प्लांट लगाए जाएंगे। इसके लिए टेंडर किए गए हैं। रेवेन्यू–शेयरिंग मंडल पर आधारित यह पहल खदानों के पानी के उपयोग के साथ ही वेकोलि के व्यवसाय विविधीकरण को बढ़ावा देगी।

जल संरक्षण की दिशा में वेकोलि ने अपने क्षेत्रों में 89 रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग एवं आर्टिफिशियल रिचार्ज संरचनाएँ स्थापित की हैं, जिनसे लगभग 50,416.22 m^3/year भूजल रिचार्ज की क्षमता विकसित हुई है।

कोयला खनन के लिए भूमि अत्यंत आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में हमने कुल 913.015 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की। इसी प्रकार वर्ष 2026–27 में जुलाई माह तक हमने 623.29 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया है। पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (R&R) के प्रति प्रतिबद्धता निभाते हुए, वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 727 नियुक्तियाँ प्रदान कीं। वित्तीय वर्ष 2026–27 में अप्रैल से अब तक कुल 288 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (PAPs) को नियुक्ति पत्र जारी किया गया है।

खदानों से सारा कोयला निकालने के पश्चात आवश्यक है कि हम उसे अच्छी स्थिति में प्रकृति को सौंपे। इसके लिए Mine Closure Plan के सभी प्रावधानों का अनुपालन आवश्यक है। हाल ही में हमने मुरपार भूमिगत खदान को प्रावधानों के पूर्ण अनुसरण के साथ बंद किया है। वेकोलि में अब कुल 10 खदानें है जिनको प्रावधानों के पूर्ण अनुसरण के साथ बंद किया गया है।

हमारा प्रयास है कि समाज के समग्र विकास में भी हमारी सक्रीय भागीदारी हो। इस उद्देश्य से हमने सीएसआर के अंतर्गत 8 फ्लैगशिप परियोजनाएँ रेखांकित की है। गत वित्तीय वर्ष में वेकोलि ने सीएसआर परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु 42 MoU किए थे, वही इस वित्तीय वर्ष में अब तक 20 MoU किए गए है। आपसे साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि हमारी प्रमुख सीएसआर परियोजना 'संदीप' को जुलाई 2026 में आईआईएम, नागपुर में आयोजित कॉर्पोरेट फिलैंथ्रॉपी कॉन्क्लेव में देश की सर्वश्रेष्ठ सीएसआर परियोजनाओं में स्थान प्राप्त हुआ है।

हमारी शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण की पहल प्रोजेक्ट 'तराश' निरंतर नई सफलताएँ अर्जित कर रही है। इस वर्ष 264 विद्यालयों के 1300 विद्यार्थियों में से, 40 मेधावी विद्यार्थियों का चयन कर चौथे बैच का शुभारंभ किया गया है। हर्ष का विषय है कि द्वितीय बैच के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स–2026 में उकृष्ट प्रदर्शन कर ट्रिपलआईटी इलाहाबाद, एनआईटी कैलीकट एवं एनआईटी रायपुर में प्रवेश प्राप्त किया है।

इसी प्रकार, प्रोजेक्ट 'संदीप' के अंतर्गत दूसरे बैच में 46 कैडेट्स का चयन किया गया है। प्रथम बैच के 6 युवाओं ने भारतीय सशस्त्र बलों की प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण की है तथा वे सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

वेकोलि ने 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना' के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य किया है। योजना के प्रारंभ वर्ष 2024–25 से ही वेकोलि इस योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रहा है और वित्तीय वर्ष 2026–27 में 50 इंटर्न्स को अवसर प्रदान किया है। हमारे इन प्रयासों को भारत सरकार से विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि युवाओं को कौशल एवं रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में वेकोलि के प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हमारी पहलें निरंतर प्रभावी सिद्ध हो रही हैं। प्रोजेक्ट 'पोषित' के अंतर्गत गढ़चिरौली जिले के 397 आंगनवाड़ी केंद्रों में 2,555 गर्भवती माताओं को 300 दिन के लिए अनुपूरक पोषण सहायता दी जा रही है। प्रोजेक्ट 'सुश्रुत' के माध्यम से एक लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है तथा 6,000 से अधिक सिकल सेल एवं थैलेसीमिया वाहकों की पहचान की गई है। वहीं 'नन्हा सा दिल' परियोजना के अंतर्गत 275 आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की नि:शुल्क हृदय शल्यक्रियाएँ की गई हैं। इसके साथ ही इंदिरा गांधी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के सहयोग से नागपुर एवं अमरावती संभाग के 11 जिलों में 25,000 नि:शुल्क मोतियाबिंद शल्यक्रियाओं का अभियान संचालित किया गया है। इन प्रयासों को गति देने हेतु, वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 71.47 करोड़ रुपये का सीएसआर बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 28% अधिक है।

जनहित के कार्यों में वेकोलि परिवार की महिलाओं की भी महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भागीदारी रही है। झंकार महिला मंडल एवं क्षेत्रीय समितियों ने वर्षभर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पोषण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा कार्य किए। योग शिविर, प्राणिक हीलिंग कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, टीबी जागरूकता, वृक्षारोपण, सेवा कार्यों में सहयोग, पियाऊ की स्थापना, जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री का वितरण, ट्रांसजेंडर जागरूकता कार्यक्रम तथा

जरूरतमंद बच्चों एवं वृद्धजनों की सहायता जैसी अनेक पहलों के माध्यम से महिला मंडल ने समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके जीवन में आशा और आत्मविश्वास जगाने का प्रयास किया है। उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए साधुवाद तथा आगे के सभी कार्यों हेतु शुभकामनाएँ।

महिला सशक्तिकरण के लिए वेकोलि ने कार्यस्थल पर अनुकूल सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। मुख्यालय तथा क्षेत्रों में कुल 12 क्रेच, पाटणसावंगी में पिंक डिस्पेंसरी तथा एकोना सब एरिया में 'पिंक HR डिपार्टमेंट' जैसी पहलें इसका उदाहरण हैं। इसके साथ ही पूर्ण महिला रेस्क्यू टीम तथा वेकोलि मुख्यालय में 'पिंक सेतु' आदि पहलें महिलाओं को सहयोग एवं अवसर प्रदान करते है। वेकोलि में महिलाओं की खेल प्रतिभाओं को भी निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे कार्यक्षेत्र के साथ–साथ खेल के मैदान में भी अपनी पहचान बना सकें।

हमने वेकोलि में समग्र स्वास्थ के लिए विविध खेलों के साथ ही योग को आगे बढ़ाया है। वेकोलि ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपने कार्यक्षेत्र के 152 विभिन्न स्थानों पर 30,000 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया।

खेल, स्वास्थ्य और समग्र कल्याण की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए वेकोलि द्वारा इंदोरा, नागपुर में मल्टी–पर्पज स्पोर्ट्स स्टेडियम कॉम्प्लेक्स तथा कांपटी में फुटबॉल स्टेडियम एवं कम्युनिटी हॉल–कम–ऑडिटोरियम का निर्माण किया जा रहा है। इंदोरा स्टेडियम में क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन एवं इंडोर गेम्स जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी, जबकि कांपटी स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा। ये दोनों परियोजनाएँ कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के समुदाय के लिए स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

हाल ही में हमने वेकोलि की 'स्मार्ट कॉलोनी' पहल के अंतर्गत 5 कॉलोनियों को स्मार्ट कॉलोनी के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हित किया है। इन में माजरी क्षेत्र की कुरजा कॉलोनी, उमरेड क्षेत्र की उमरेड कॉलोनी, नागपुर क्षेत्र की सावनेर कॉलोनी, बल्लारपुर क्षेत्र की सास्ती कॉलोनी तथा तड़ाली की ऊर्जाग्राम कॉलोनी का समावेश है। इन कॉलोनियों में आवासों का उन्नयन, सुव्यवस्थित पार्क एवं खेल मैदान, सामुदायिक सुविधाएँ, आंतरिक सड़कों का पुनर्निर्माण, बेहतर ड्रेनेज एवं सीवरेज, LED स्ट्रीट लाइट, CCTV निगरानी, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, कॉमन एरिया के लिए सोलर सिस्टम तथा मल्टी–स्टोरी आवासीय विकास जैसी आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। यह पहल वेकोलि की कॉलोनियों को सुरक्षित, स्वच्छ, हरित और आधुनिक आवासीय परिसरों में बदलने का प्रयास है।

खदानों व परिसंपत्तियों की रक्षा वेकोलि में निश्चित ही एक आवश्यक कार्य है। इस दिशा में सुरक्षा विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण पहल किए गए है। इंदौरा स्थित सुरक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षण मॉडल को कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया स्तर पर आदर्श माना गया है। हर्ष का विषय है कि कोल इंडिया के नव–नियुक्त सुरक्षा अधिकारियों का बेसिक प्रशिक्षण, पहली बार, वेकोलि में हो रहा है। SHASTrA सिमुलेटर और लाइव वेपन फायरिंग अभ्यास के माध्यम से हमारे कर्मी अब ज्यादा मुस्तैद है। साइबर व भौतिक सुरक्षा हेतु व्यापक एसओपी (SOPs) लागू किए गए है। इन सभी प्रयासों से खदानों व परिसंपत्तियों की रक्षा बेहतर होगी।

किसी भी कंपनी की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानव संसाधन क्षमता होती है। भविष्य के नेतृत्व को तैयार करने के उद्देश्य से वेकोलि ने अपने प्रमुख नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'तेजस (TEJAS) ' के अंतर्गत 575 युवा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। तेजस के प्रथम एवं द्वितीय मॉड्यूल तथा कंप्यूटर आधारित मूल्यांकन सफलतापूर्वक संपन्न किए गए है।

हाल ही में हमने आईआईएम, नागपुर तथा आईएमटी, नागपुर के साथ समझौता किया है। इनके माध्यम से 150 अधिकारियों को उन्नत नेतृत्व एवं प्रबंधकीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

ऐसी कई पहल की गई है। कई सकारात्मक काम हुए हैं, जिसका समावेश एक संवाद में कर पाना संभव नहीं। मुझे विश्वास है कि इन सभी कार्यों का प्रभाव लक्ष्य प्राप्ति में निश्चित तौर पर दिखेगा और हम अपने इस साल के कोयला उत्पादन, कोयला प्रेषण और ओबी निष्कासन के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे।

मैं, सभी खनिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिक संघ के पदाधिकारी गण, कंपनी के निदेशक गण, सीवीओ, वेकोलि परिवार के सभी सदस्य, अन्य सभी अंशधारक, जो वेकोलि को सफलता के शिखर पर ले जाने में अपना योगदान दे रहे हैं, सभी को धन्यवाद देता हूँ। एक बार फिर सभी को सपरिवार स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द!

आपका,

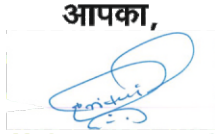

डॉ. हेमंत शरद पांडे
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

नागपुर
15 अगस्त, 2026